प्रोत्साहन

पीएम सूर्य घर योजना ने बढ़ाया रुझान, मिल रही 1.08 लाख तक की छूट

सौर ऊर्जा से घर-दफ्तर जगमग, लखनऊ सबसे आगे

आशीष गुप्ता

लखनऊ। बिजली की लगातार बढ़ती खपत व महंगी होती दरों से सौर ऊर्जा के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। घरों से लेकर सार्वजनिक स्थानों, सरकारी दफ्तरों में लगातार सोलर प्लांट बढ़ रहे हैं।

अकेले लखनऊ में बीते सात महीने में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 9693 घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट लगे हैं। यह पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है। सरकारी दफ्तरों व बड़े विभागों में 88 संयंत्र लगे हैं। राजधानी में तीन साल में डेढ़ लाख संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। प्रदेश भर में रूफटॉप प्लांट से 375 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है।

रूफटॉप प्लांट को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सब्सिडी की व्यवस्था की है। पीएम मोदी ने इसके लिए फरवरी में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लॉन्च की। इसके तहत यूपीनेडा के जरिये सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने पर सरकार 1.08 लाख की छूट दे रही है।

योजना के लॉन्च के साथ लखनऊ में लोगों ने इसे हाथों हाथ लिया। योजना से पहले यह प्लांट बनाने वाले वेंडर महज 451 थे। अब इनकी संख्या 1177 हो गई है। इससे सोलर इंडस्ट्री को भी बढ़ावा मिल रहा है। पीओ नेडा खुर्शीद फारुक ने बताया कि पूरे प्रदेश में 26,267 लोगों ने घरों में सोलर रूफटॉप प्लांट लगवाकर सरकारी छूट का लाभ उठाया है। सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने में लखनऊ प्रदेशभर में पहले व बनारस दूसरे स्थान पर है। (संवाद)

केजीएमयू में लगा सोलर रुफटॉप प्लांट। -संवाद

एक साल में आई तेजी

एक साल में सोलर एनर्जी के इस्तेमाल में तेजी आई है। सोलर रूफटॉप प्लांट में सबसे अच्छे नतीजे हैं। पीएम सूर्य घर योजना शुरू होने के साथ ही लोगों ने इसे स्वीकार किया है। प्रदेश भर में रूफटॉप प्लांट से 375 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है। **-अनुपम शुक्ला, निदेशक यूपीनेडा**

यूपी नेडा ने सरकारी विभागों को भेजा प्रस्ताव

यूपीनेडा ने प्रदेश में सरकारी विभागों की कुल 10,749 इमारतों को सोलर एनर्जी से जोड़ने का प्रस्ताव भेजा है। इसमें जिसके पास पैसा नहीं है, उसके लिए योजनाएं हैं। रेस्को योजना के तहत यूपीनेडा के जरिये कंपनियां संबंधित विभाग में मुफ्त में प्लांट लगाती हैं।

- इसमें लाभार्थी संस्था को मौजूदा रेट आठ रुपये प्रति यूनिट बिजली के बजाय 25 साल के लिए 4.85 रुपये प्रति यूनिट की दर से भुगतान करना होता है। इससे प्लांट लगवाने वाली संस्था का बिजली बिल आधा हो जाता है। रेस्को के तहत ही केजीएमयू में एक मेगावाट का प्लांट लगा है, जबकि पूरे प्रदेश में 25 मेडिकल कॉलेजों में यह प्लांट लगवाया गया है।

प्लांट लगाने का खर्च व सब्सिडी

प्लांट	खर्च	सब्सिडी
एक किलोवाट	60,000	45,000
दो किलोवाट	120000	90,000
तीन किलोवाट	180000	1,08,000